# अध्याय-4 | वैश्वीकरण के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था

Worksheet-1

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

## बहुविकल्पी प्रश्न

**1. वैश्वीकरण के विगत दो दशकों में द्रुत आवागमन देखा गया है।**

(अ) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और निवेशों का
(ब) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और लोगों का
(स) देशों के बीच वस्तुओं, निवेशों और लोगों का
(द) सभी विकल्प सही है

**2. पृथ्वी सम्मेलन का आयोज़न कब हुआ?**

(अ) 1992 में
(ब) 1991 में
(स) विमुद्रीकरण
(द) 1993 में

**3. भारत में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान किस राज्य में स्थित हैं?**

(अ) उड़ीसा
(ब) नई दिल्ली
(स) मुंबई
(द) पंजाब

**4. WTO का पूरा नाम क्या हैं?**

(अ) विश्व आर्थिक मंच
(ब) विदेशी व्यापार संघ
(स) विश्व मुद्रा कोष
(द) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन

**5. 1944 में अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना कहाँ की गई थी?**

(अ) फ्रांस
(ब) ब्रिटेन
(स) भारत
(द) संयुक्त राज्य अमेरिका

**6. गेट (GATT) का पूरा नाम क्या है?**

(अ) जेनेवा एग्रीमेंट ट्रेड एण्ड ट्रेड
(ब) जेनेवा एग्रीमेंट ऑन ट्रेड
(स) जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एण्ड ट्रेड
(द) गवर्नमेंट ऑफ़ ट्रेड एण्ड ट्रेड

**7. विश्व का बहुत बड़ा क्षेत्र एक-दूसरे के काफी निकट आया हैं-**

(अ) पिछले कुछ दिनों के मुकाबले
(ब) पिछले कुछ दशकों के मुकाबले
(स) पिछले कुछ सालों के मुकाबले
(द) पिछली कुछ शताब्दियों के मुकाबले

**8. किसी भी देश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को क्या कहा जाता है?**

(अ) विदेशी निवेश
(ब) राष्ट्रीय निवेश
(स) स्थानीय निवेश
(द) राज्य निवेश

**9. किन्हीं भी दो देशों के मध्य व्यापार प्रक्रिया क्या कहलाएगा?**

(अ) देशी व्यापार
(ब) स्थानीय व्यापार
(स) विदेशी व्यापार
(द) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

**10. वैश्वीकरण का मुख्य उद्देश्य है-**

(अ) लाभ कमाना

(ब) वस्तुओं और सेवाओं का विस्तार

(स) ज्ञान का तेजी से विस्तार

(द) सभी विकल्प सही हैं

## रिक्त स्थान :

**11.** विश्व व्यापार संगठन की स्थापना ..... पर हुई थी।

**12.** तत्काल इलेक्ट्रॉनिक डाक ..... द्वारा भेजी जा सकती है।

## सत्य / असत्य

**13.** भारत का अधिकांश विदेश व्यापार समुद्री मार्ग से होता है।

**14.** मैक्सिको और पूर्वी यूरोप लाभ की स्थिति में अमेरिकी यूरोपीय बाजार की निकटता के कारण है।

## अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

**15.** एक कंपनी जो एक से अधिक देशो में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है, क्या कहलाती है ?

**16.** विदेशी व्यापार किनके बीच होता है ?

## लघूत्तरात्मक प्रश्न

**17.** भारत में विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कोई तीन उपाय सुझाइए।

**18.** विश्व व्यापार संगठन क्या है? इसके क्या कार्य हैं?

## निबंधात्मक प्रश्न

**19.** भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण के प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए।

**20.** वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण को सम्भव बनाने वाले कारकों का विवरण दीजिए।

## HOTS

**21.** विकसित देश, विकासशील देशों से उनके व्यापार और निवेश का उदारीकरण क्यों चाहते हैं? क्या आप मानते हैं कि विकासशील देशों को भी बदले में ऐसी ही माँग करनी चाहिए?

मिशन ज्ञान
जहाँ-जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. (अ) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और निवेशों का
2. (अ) 1992 में
3. (ब)
   भारतीय विदेश व्यापार संस्थान नई दिल्ली में स्थित है।
4. (द)
   WTO का पूरा नाम 'World trade organization' अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन है।
5. (द) संयुक्त राज्य अमेरिका
6. (स)
   गेट (GATT) का पूरा नाम जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एण्ड ट्रेड है।
7. (ब) पिछले कुछ दशकों के मुकाबले
8. (अ)
   बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहा जाता है।
9. (स)
   दो देशों के मध्य होने वाले व्यापार को विदेशी व्यापार की संज्ञा दी जाती है।
10. (द) सभी विकल्प सही हैं
11. जिनेवा
12. इण्टरनेट
13. सत्य
14. सत्य
15. एक कंपनी जो एक से अधिक देशो में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है, बहुराष्ट्रीय कंपनी कहलाती है।
16. विदेशी व्यापार दो या दो से अधिक देशों के बीच में होता है।
17. विदेशी निवेश को आकर्षित करने वाले तीन उपाय निम्नलिखित हैं-
    i. विदेशी निवेश को संरक्षण देना चाहिए।
    ii. साख की सुविधाओं में शिथिलता देनी चाहिए।
    iii. उद्योग स्थापना के अवरोधों को हटाना चाहिए।
18. 30 अक्टूबर, 1947 को विश्व के अनेक देशों ने GATT (जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एंड ट्रेड) नामक एक बहुपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद से, दिसंबर 1994 तक, गैट के अंतर्गत वार्ताओं के आठ दौर संपन्न हुए। गैट का आठवाँ दौर विशेष रूप से बहुचर्चित और विवादास्पद रहा क्योंकि इसमें वस्तुओं के व्यापार के साथ-साथ सेवाओं और बौद्धिक सम्पदाओं को शामिल करने के लिए विकसित देशों द्वारा काफी दबाव डाला गया। अंततः, 15 अप्रैल, 1995 को मराकेश (मोरक्को) में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत नए विषयों को विश्व व्यापार के क्षेत्र में सम्मिलित किया गया और विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना की अनुशंसा की गई। विश्व व्यापार संगठन ने 1 जनवरी, 1995 से कार्य करना शुरू किया। इसका मुख्यालय जिनेवा में है। वर्ष 2015 में विश्व व्यापार संगठन की सदस्य संख्या 164 हो गई, जिसमें अफगानिस्तान 164वाँ सदस्य राष्ट बना।

   **कार्य -** विश्व व्यापार संगठन (WTO) के कुछ प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:
   i. विश्व व्यापार समझौतों और बहुपक्षीय तथा बहुवचन समझौतों के कार्यान्वयन, प्रशासन एवं परिचालन हेतु सुविधाएँ प्रदान करना।
   ii. व्यापार और प्रशुल्क से संबंधित किसी भी भविष्य के मुद्दे पर सदस्यों के बीच विचार-विमर्श के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना।
   iii. विवादों के निपटारे से संबंधित नियमों और प्रक्रियाओं का प्रशासन करना।
   iv. व्यापार नीति समीक्षा प्रक्रिया से संबंधित नियमों और प्रावधानों को लागू करना।
   v. वैश्विक आर्थिक नीति निर्माण में अधिक सामंजस्य लाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के साथ सहयोग करना।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

**19. भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण के प्रभाव**

**सकारात्मक प्रभाव :**

i. **बाजार अवसर :** वैश्वीकरण के कारण अधिक उत्पादित वस्तुओं को अन्य देशों को बेचकर अच्छे दाम प्राप्त किए जा सकते हैं, जिससे किसानों को लाभ होता है।

ii. **उत्पादन में वृद्धि :** विभिन्न फसलों की माँग बढ़ने से भारत में इन वस्तुओं का अधिक उत्पादन होने लगा है, जिससे कृषि क्षेत्र में विकास हुआ है।

**नकारात्मक प्रभाव :**

i. **व्यापारिक कृषि का बढ़ावा :** कृषि के वैश्वीकरण ने व्यापारिक कृषि को बढ़ावा दिया। किसानों ने वही वस्तु पैदा की, जिसकी बाजार में माँग थी, न कि जनता की जरूरत को पूरा करने वाली वस्तुओं का उत्पादन किया।

ii. **छोटे किसानों की कठिनाई :** कृषि के वैश्वीकरण के कारण छोटे किसानों को कृषि कार्य छोड़ना पड़ा, क्योंकि वे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाए।

iii. **नई चुनौतियाँ :** वैश्वीकरण और उदारीकरण के अंतर्गत सन् 1990 के बाद से देश के किसानों को अनेक नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत, विश्व में चावल, चाय, कपास, कॉफी, और जूट जैसे प्रमुख उत्पादों का उत्पादक होने के बावजूद, विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में स्वयं को समर्थ नहीं पा रहा है। यह इस कारण है कि विकसित देशों में कृषि क्षेत्रों को अत्यधिक सब्सिडी दी जाती है। इसलिए, यदि भारतीय कृषि की दशा सुधारनी है, तो इसके लिए सरकार द्वारा संरक्षण की आवश्यकता है।

**21.** वैश्वीकरण विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है, जिसमें एक देश की अर्थव्यवस्था विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ एकीकृत हो जाती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में, वैश्वीकरण का अर्थ इससे भी अधिक है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पहलुओं को शामिल किया जाता है:

- अर्थव्यवस्था को विदेशी निवेश के लिए खोलना
- नियंत्रणों को धीरे-धीरे कम करना
- मात्रात्मक प्रतिबंधों को समाप्त करना
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों को निवेश की सुविधाएँ प्रदान करना
- आयात उदारीकरण कार्यक्रमों को व्यापक आधार पर लागू करना
- निर्यात संवर्धन को प्रोत्साहित करना

1991 की औद्योगिक नीति के फलस्वरूप विश्वव्यापीकरण को प्रोत्साहन मिला है।

विदेश व्यापार घरेलू बाजारों से बाहर के बाजारों में पहुँचने के लिए उत्पादकों को एक अवसर प्रदान करता है। इस प्रक्रिया में उत्पादक केवल अपने देश के बाजारों में अपने उत्पाद नहीं बेच सकते, बल्कि वे अन्य देशों के बाजारों में भी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। इसके अलावा, दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं का आयात भी किया जा सकता है। व्यापार के खुलने से वस्तुओं का एक बाजार से दूसरे बाजार में आवागमन होता है। इससे बाजार में वस्तुओं के विकल्प बढ़ जाते हैं और दो बाजारों में एक ही वस्तु का मूल्य एकसमान होने लगता है।

**21.**

i. विकसित देशों की बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ प्रायः उन स्थानों पर उत्पादन कार्य करती हैं जो बाजार के निकट हों, जहाँ कम लागत पर कुशल तथा अकुशल श्रमिक उपलब्ध हों और सरकारी नीतियाँ उनके हितों के अनुकूल हों।

ii. विकासशील देशों में ये सभी सुविधाएँ नहीं पाई जाती हैं। अतः विकसित देश विकासशील देशों में उनके व्यापार और उनके व्यापार का उदारीकरण चाहते हैं।

iii. विकासशील देशों को भी बदले में ऐसी माँग अवश्य करनी चाहिए क्योंकि विकसित देशों ने अनुचित ढंग से व्यापार अवरोधक बनाए हुए हैं, जबकि विश्व व्यापार संगठन ने सभी देशों को मुफ्त व्यापार करने की सुविधा दी है। एवं विश्व व्यापार संगठन के नियमों के कारण विकासशील देश अवरोधकों को हटाने के लिए विवश हुए हैं। कृषि उत्पादकों के व्यापार पर वर्तमान चर्चा इसका मुख्य उदाहरण है।

iv. अर्थात अवरोधों को हटाया जाना चाहिए जिससे वस्तुओं का आयात-निर्यात सुगमता से किया जा सकें।

Download Mission Gyan App